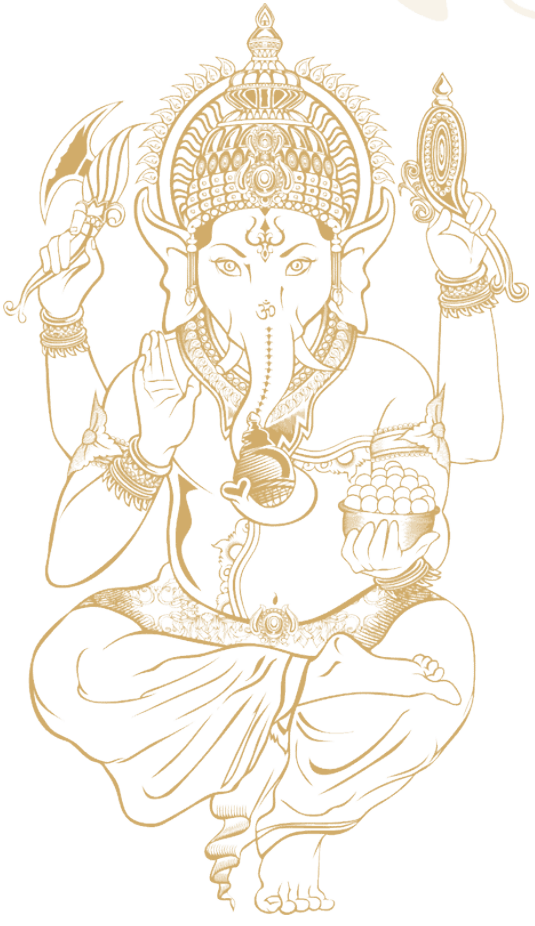

Kiran lata bharti

24 May 1988

02:57 AM

Budaun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121881023

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23-24/05/1988**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:57:07 घंटे**
इष्ट	54:02:16 घटी
स्थान	**Budaun**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:02:00 उत्तर
रेखांश	79:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:43:35 घंटे
वेलान्तर	00:03:18 घंटे
साम्पातिक काल	18:50:24 घंटे
सूर्योदय	05:20:12 घंटे
सूर्यास्त	19:00:41 घंटे
दिनमान	13:40:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:14:58 वृष
लग्न के अंश	24:00:19 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेनका
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	24:00:19	498:00:32	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	---
सूर्य			वृष	09:14:58	00:57:39	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	11:20:44	11:48:34	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	07:18:29	00:38:12	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध			मिथु	00:34:22	00:37:22	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	स्वराशि
गुरु			मेष	23:56:39	00:14:02	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		मिथु	06:43:23	00:03:11	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		धनु	07:27:49	00:03:37	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	26:27:43	00:00:05	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	26:27:43	00:00:05	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	06:24:58	00:02:05	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप	व		धनु	16:02:34	00:01:12	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	16:53:02	00:01:32	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	17:53:39	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:44

लग्न-चलित

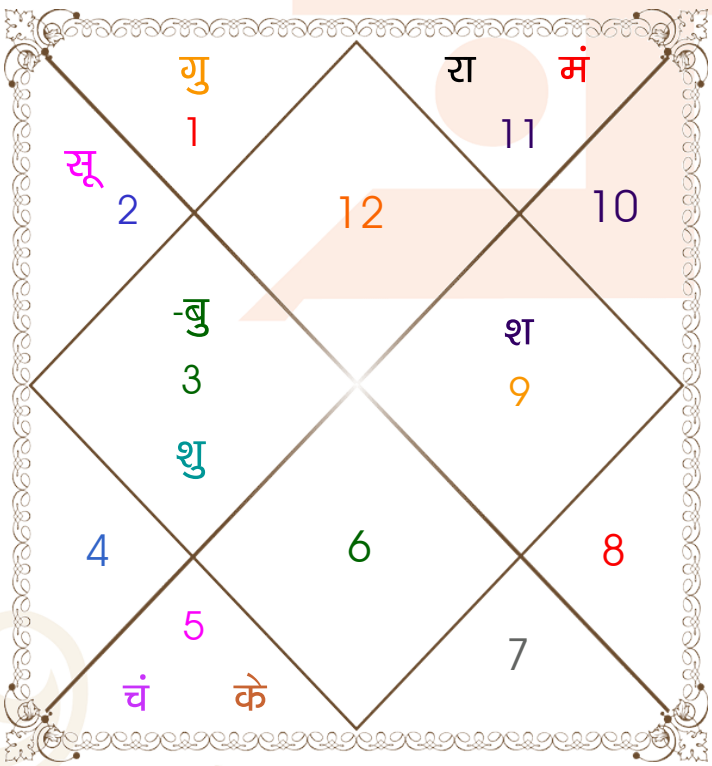

चन्द्र कुंडली

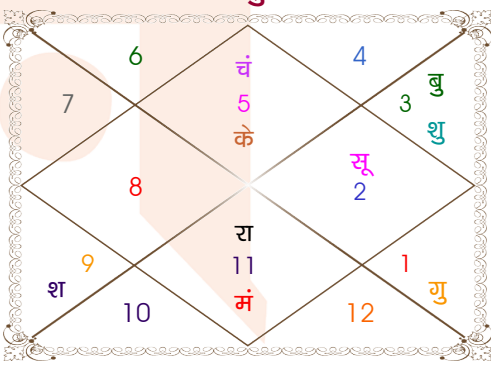

नवमांश कुंडली

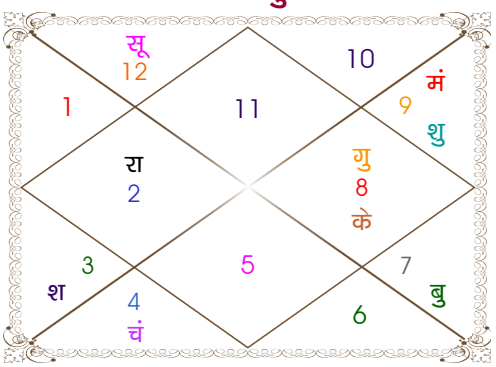

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 0 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/05/1988		09/06/1989		09/06/2009		09/06/2015		09/06/2025	
09/06/1989		09/06/2009		09/06/2015		09/06/2025		09/06/2032	
	00/00/0000	शुक्र	08/10/1992	सूर्य	26/09/2009	चंद्र	09/04/2016	मंगल	05/11/2025
	00/00/0000	सूर्य	09/10/1993	चंद्र	28/03/2010	मंगल	08/11/2016	राहु	23/11/2026
	00/00/0000	चंद्र	09/06/1995	मंगल	03/08/2010	राहु	10/05/2018	गुरु	30/10/2027
	00/00/0000	मंगल	08/08/1996	राहु	28/06/2011	गुरु	09/09/2019	शनि	08/12/2028
	00/00/0000	राहु	09/08/1999	गुरु	15/04/2012	शनि	09/04/2021	बुध	05/12/2029
	00/00/0000	गुरु	09/04/2002	शनि	28/03/2013	बुध	08/09/2022	केतु	04/05/2030
	24/05/1988	शनि	09/06/2005	बुध	01/02/2014	केतु	09/04/2023	शुक्र	04/07/2031
शनि	12/06/1988	बुध	09/04/2008	केतु	09/06/2014	शुक्र	08/12/2024	सूर्य	08/11/2031
बुध	09/06/1989	केतु	09/06/2009	शुक्र	09/06/2015	सूर्य	09/06/2025	चंद्र	09/06/2032

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/06/2032		09/06/2050		09/06/2066		09/06/2085		10/06/2102	
09/06/2050		09/06/2066		09/06/2085		10/06/2102		00/00/0000	
राहु	20/02/2035	गुरु	27/07/2052	शनि	12/06/2069	बुध	05/11/2087	केतु	06/11/2102
गुरु	15/07/2037	शनि	08/02/2055	बुध	20/02/2072	केतु	02/11/2088	शुक्र	06/01/2104
शनि	21/05/2040	बुध	15/05/2057	केतु	31/03/2073	शुक्र	03/09/2091	सूर्य	13/05/2104
बुध	09/12/2042	केतु	21/04/2058	शुक्र	30/05/2076	सूर्य	09/07/2092	चंद्र	12/12/2104
केतु	27/12/2043	शुक्र	20/12/2060	सूर्य	12/05/2077	चंद्र	08/12/2093	मंगल	10/05/2105
शुक्र	27/12/2046	सूर्य	09/10/2061	चंद्र	12/12/2078	मंगल	06/12/2094	राहु	29/05/2106
सूर्य	21/11/2047	चंद्र	08/02/2063	मंगल	21/01/2080	राहु	24/06/2097	गुरु	05/05/2107
चंद्र	22/05/2049	मंगल	14/01/2064	राहु	26/11/2082	गुरु	30/09/2099	शनि	25/05/2108
मंगल	09/06/2050	राहु	09/06/2066	गुरु	09/06/2085	शनि	10/06/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 0 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि की विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगी।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचती हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होती हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पति के समक्ष जाती हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पति की सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाती हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाली नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाली प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगी एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकती हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगी। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप पुरुष के प्रति विरोधात्मक रुख आपनाएंगी तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति की महिला हो तथा अपने जीवन में सफल होंगी। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखती रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकती है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकती हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकती हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।